If this is the doctrine of the late Mao (*Interruptions*) this is a serious situation. We cannot forget that. I am now submitting in this context—I recall what he said—what our Prime Minister has stated. Our Prime Minister as has been reported, in *New York Times, has* clearly stated that India is prepared to forgo 14,000 square miles of India....

SHRI MORARJI DESAI: I denied this and so did the *New York Times.*

MR. SPEAKER: He has denied that. Please come to the question.

SHRI JANARDHANA POOJARY: As you know the helicopter strayed into the territory of India.

MR. SPEAKER: You have mentioned that.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Is this not a criminal trespass? Has it not crossed our territory? If Government is not in a position to say from where it comes and even if a helicopter enters into our territory, if they are not in a position to say so, is this not a failure of the Government? Is it not a failure of the foreign policy of the Government? May I also ask the hon. Minister as to what steps is Government taking to prevent such an aggression or intrusion into our territory? It is very clear that our Government is sleeping over the matter. We must be very vigilant. What steps is the Government going to take against such a trespass?

SHRI MORARJI DESAI: If the hon. Member is satisfied by the allegation against the Government, I wish him joy. I thought there were balloons which brought in some propaganda but I find here many thoughts have come in the balloons. I do not know how he can say that I said that the land will be given over to China. Yes, that was the report of the *New York Times.* I denied this.

MR. SPEAKER: It was published.

SHRI MORARJI DESAI: I denied that the very day. And yet my hon'ble friend repeats it here. That shows his veracity. Where were the helicopters seen from China! By whom? I would like to ask those people. This is all imagination. Nothing else. There are only balloons from which this propaganda was found which was against the Chinese people. Then again when he says we must be careful, we are very careful. If there is any aggression, the aggression will be met properly and fully. Let him be assured about it.

Then again about normalisation. He says we are very eager and, therefore, we are going into their hands. The normalisation process has been started by them and we are responding. We are very careful about all these matters. Let my hon'ble friend not be worried about this matter. That is all that I can assure him.

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 14.00 hours of the clock.

13.07 hrs.

The Lok Sabha adjourned for lunch till fourteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—*Contd.*

REPORTED CHINESE BALLONS FOUND WITH TRANSMITTERS AND PROPAGANDA MATERIAL IN VARIOUS PARTS OF THE COUNTRY—*contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Vilas Paswan.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी और गृह राज्य मंत्री जी ने इस संबंध में स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। लेकिन

[श्री राम विलास पासवान]

हमारी, जब हमारे साथी श्री अनंत दवे जी, जो कि कच्छ के हैं, से बातचीत हुई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी कांस्टीच्यूएंसी में अपनी आंखों से एक हेलीकोप्टर देखा जो कि 20–25 गज ऊपर से उड़ कर गया और उसने वहां पर्चे वगैरह गिराये। मंत्री महोदय ने जो अभी जवाब दिया उससे दो-तीन प्रश्न खड़े हो गए हैं। एक तो यह कि कोई भी मुल्क किसी भी देश पर तब हमला करेगा जब कि वह सोया हो। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस संबंध में सतर्क है? हमारा जो चीन के साथ दोस्ती बढ़ाने का, शान्ति की खातिर अपनी जमीन के मामले को उस लेवल तक न ले जाने का जो प्रयास चल रहा है, इसमें क्या सरकार शांति स्थापना के साथ साथ अपने घर को भी इतना मजबूत बना रही है कि वह किसी भी संकट के समय, खतरे के समय, उसका मुकाबला करने को तैयार हो सके?

इसके साथ साथ मैं सरकार से यह भी जानना चाहता हूं कि बेलून वगैरह की अक्सर जो खबरें समाचार पत्रों में आया करती हैं और एक अखबार 'आज' वाराणसी की मेरे पास कटिंग भी है जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक बेलून आया था जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है, इस प्रकार की खबरों का क्या सरकार के द्वारा खंडन किया गया है या नहीं? मैं समझता हूं कि इस तरह की चीजों का सरकार के द्वारा अभी तक खंडन नहीं किया गया है। अतः मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो इस तरह के समाचार समय समय पर आते रहते हैं, जिनके बारे में सरकार की ओर से खंडन नहीं किया जाता, क्या उनके बारे में सरकार ने चीन के साथ या चीन के दूतावास के साथ कोई पत्र-व्यवहार किया है या नहीं?

श्री धनिक लाल मंडल : सरकार बराबर चौकस रहती है और सरकार किसी भी स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार है। हम जो शान्ति की बात करते हैं तो शान्ति से अर्थ यह नहीं है कि हम चौकस नहीं है, शान्ति के साथ-साथ चौकसी बराबर रखी जाती है और सरकार किसी भी स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयारी की स्थिति में है।

मैंने पहले स्पष्ट कर दिया है कि बिलासपुर में पुलिस को जो सामान मिला है उस में एक इलैक्ट्रो मैकेनिकल डिवाइस है। यह बैलून में था जो उसको गाइड करने के काम में आता है। दूसरा सामान जो मिला है वह लिट्रेचर है। जैसे मैंने पहले कहा है यह अनुमान है कि के० एम० टी० प्रापेगेंडा मैटीरियल उसमें है। उससे यह अनुमान लगाया जाता है कि उसका जो ओरिजन है वह ताइवान हो सकता है।

श्री कंवर लाल गुप्त (es ourी सदर) : प्रधान मंत्री के विश्वास दिलाने के बाद कि मित्रता चाहते हुए भी हम सतर्क रहेंगे देश को काफी राहत मिली है। लेकिन मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है कि यह सिवाय बैलून के कुछ नहीं है और अनुमान यह लगाया जाता है कि यह ताइवान गवर्नमेंट का है। मेरे पास यह बंडल अखबारों का है और एक अखबार में नहीं, हिन्दुस्तान टाइम्ज, टाइम्स आफ इंडिया, स्टेट्समैन, पैट्रियाट आदि कोई अखबार नहीं है जिस में इसके बारे में खबरें न छपी हों। मध्य प्रदेश के अन्दर भी हुआ ह यह किस्सा, आंध्र में भी, उड़ीसा में भी, उत्तर प्रदेश, वैस्ट बंगाल आदि प्रायः सभी प्रान्तों में यह बात हुई है। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कालिंग अटेंशन आने के बाद आपने क्या राज्य सरकारों से पूछा है कि स्थिति क्या है और पूछा है तो किस किस राज्य सरकार से क्या क्या उत्तर आया है?

मैं 19 जुलाई, 1978 के पैट्रियाट की एक खबर पढ़ना चाहता हूं। उस में यह आया है :

"A foreign helicopter dropped a large quantity of tinned meat, sarees, sweets and propaganda literature printed in Chinese and Burmese on Sunday at....

The Government officials in the area were very much intrigued over the incident. They expect the mystery to be unravelled when the propaganda literature could be read and understood. Similar incident have also been reported from the hill areas of Tripura State. There is a wider area—particularly in the hills, tinned meat—some open and some sealed, sweets, propaganda literature, large maps of China were dropped but by whom nobody could say."

मुझे याद है 1967 में चौथी लोक सभा में मैंने एक सवाल उठाया था कि काश्मीर में पाकिस्तान का हैलीकाप्टर आया और उसने लीफलैट्स डाले और वह वापिस पाकिस्तान चला गया सरदार स्वर्ण सिंह तब विदेश मंत्री थे। उन्होंने कहा कि यह गलत है। मैंने उनको चैलेंज किया कि आप को मालूम है लेकिन आप जानबूझ कर कह रहे हैं कि गलत है। आप इसको चैक कर लें। अगले दिन उन्होंने यह कहा :

"Something like a helicopter did come; but it was not a helicopter." Am I to understand that you want to contradict this news in the same fashion?

अब भी अखबार में आया है कि हैलिकाप्टर घुस कर आया और अखबारों में यह खबर आई है। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपने इसकी पूरी इन्क्वायरी की है और की है तो क्या जवाब आया है या जैसा कि ज्योति बसु साहब ने औरंगाबाद में कहा है

"Many leaflets printed in Chinese were found spread all over the fields at.... Besides leaflets, six packets containing biscuits, clothes, some pictures and plot maps were also found."

अब ज्योति बसु साहब से पूछा गया कि यह कहां से आता है लीफलैट वगैरह चाइना का? तो माननीय ज्योति बसु कहते हैं :

"Mr. Jyoti Basu felt amused towards the reported dropping of leaflets in Chinese language through balloons somewhere in Contai in Midnapore District."

Is your reaction also the same as the reaction of the West Bengal Chief Minister? Are you also amused?

और यह ट्रांसमिटर की उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं कि एक जगह की खबर नहीं है, परन्तु मेरे पास कई जगह की अखबारों की खबर है। स्टेट्समैन 19 जुलाई का रायगढ़ के बारे में कहता है:

The police seized two foreign transmitters and two plastic balloons full of Chinese literature, towels and toffees——

टॉफ़ी भी तो आयी थीं। कहीं यह तो नहीं कि टाफी आपने ले ली हों और इसलिए ऐसा जवाब देते हों।

Within a month so far three transmitters and three balloons have been seized in Raigarh district.

इसी तरह से आगे उन्होंने इलाहाबाद का भी कहा है। उसके अतिरिक्त धार मध्य प्रदेश में

"A huge balloon containing photographs of Mao...."

आप कह रहे हैं कि यह ताइवान का है। अगर ऐसा होता तो माओ का फोटो नहीं आता। हो सकता है कि ताइवान भी ऐसा करता हो, मैं नहीं कह सकता। लेकिन इसमें लिखा हुआ है :

"A huge balloon containing photographs of Mao Tse-tung and a

[श्री कंवर लाल गुप्त]

battery operated transmitter were found hanging from a tree in a village under Dhar police station in Dhar district today.... The 25 square feet balloon also contained Mao literature".

मंत्री जी से मेरा कहना है कि आपने राज्य सरकारों से इनक्वायरी की कि नहीं ? अगर की है तो किन स्टेट्स से की और उनका क्या उत्तर आया ?

दूसरा सवाल यह है कि हैलीकाप्टर की जो खबर आयी वह बहुत गम्भीर सवाल है। उस बारे में आपने क्या इनक्वायरी की और अगर नहीं की तो आप सदन को विश्वास दिलायेंगे कि इनक्वायरी करके सदन को बतायेंगे।

अभी यह जो कहा गया कि ट्रांसमिटर आये हैं इसके बारे में आपने डिनाई किया है। तो मेरा निवेदन है कि आप इस बारे में पूरी इनक्वायरी करके सदन के सामने बाद में रखें या टेबिल पर रखें। यह बड़ा गम्भीर मामला है, देश की सेक्योरिटी का सवाल है। मुझे याद है कि पंडित नेहरू से जब सवाल किये गये थे तो उन्होंने कहा था कि सब चीज ठीक है, कोई गड़बड़ी नहीं है। लोगों ने कहा कि काफ़ी मूवमेंट हो रहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि हमारे रिलेशन्स अच्छे हैं और सब ठीक है। तो जहां प्रधान मंत्री ने विश्वास दिलाया है उसे मैं स्वीकार करता हूं कि वह सतर्क हैं, लेकिन आपके पास ठीक खबर तो होनी चाहिये। तो मैं जानना चाहता हूं कि किन किन स्टेट्स से आपने पूछा ? या अपने आप यहीं बैठे जवाब बना लिया ? और जिनसे पूछा उनका क्या उत्तर आया। हैलीकोप्टर के बारे में, माओ की तस्वीर के बारे में क्या आप जांच करायेंगे और इस सदन को बतायेंगे ? सदन को विश्वास तो प्रधान मंत्री ने दिला दिया कि सतर्क हैं तथा आगे भी रहेंगे। वह तो होना ही चाहिये। लेकिन ऐसा न हो कि फिर वही मामला दोहराया जाय क्योंकि यह मामला बहुत [गम्भी]र है।

श्री धनिक लाल मंडल : महोदय, मैंने सिर्फ इतना कहा था कि ऐसा हमारा अनुमान है। हमने कोई निश्चित ढंग से बात नहीं कही है। मैंने अनुमान के रूप में कहा है कि जो साहित्य मिला है और जो प्रोपेगंडा मैटीरियल मिला है उससे ऐसा अनुमान लगता है कि यह के० एम० टी० का मैटीरियल है और वहीं से ओरिजिनेट हुआ होगा। जब भी इस तरह की घटना घटती है और हमारा ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो हम राज्य सरकार से पूरी रिपोर्ट मंगाते हैं। और जैसा मैंने पहले कहा....

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से रिपोर्ट मंगाई गई है और अभी बंगाल और उड़ीसा से भी रिपोर्ट मंगाई गई है।

AN HON. MEMBER: What about Gujarat?

AN HON. MEMBER: What about Uttar Pradesh?

उपाध्यक्ष महोदय : जहां जहां बैलून गिरा, वहां से मंगाया गया है। (व्यवधान)

SHRI KANWAR LAL GUPTA: It concerns practically all the States. My question is whether you have contacted every State and when did you contact. After this notice or only 6 months back? Please tell us.

श्री धनिक लाल मंडल : यह तो जून-जुलाई की ही घटना है, इसलिये 6 महीने पहले की बात कहां आती है ?

श्री कंवर लाल गुप्त : मेरे पास 1975 का मामला भी है, वह बता देता हूं।

श्री धनिक लाल मंडल : पहले की बात नहीं, यह जो कालिंग अटैंशन है, इसके सम्बन्ध में इन चार राज्यों की सरकारों से रिपोर्ट मंगायी गई है और जैसा कि मैंने कहा इसके आधार पर ही हम कह रहे हैं कि ऐसी कोई बात नहीं है, ट्रांस्मीटर नहीं है। उसमें

इलक्ट्रोमैकेनिकल डिवाइस मिला, और ग्रांउडिंग रिसीवर मिला, संभव है जैसा माननीय सदस्य कहते हैं, माड्डी या टाफी ड्रौं या ऐसी चीजें हों, उसको मैं इन्कार नहीं करता, लेकिन और दूसरी चीजें ट्रांसमीटर वगैरह की बात कहीं भी ध्यान में नहीं आई है।

जो 19 जुलाई के पैट्रियाट का हवाला देकर माननीय सदस्य प्रश्न करते हैं कि हैलीकोप्टर देखा गया है, यह बिल्कुल काल्पनिक बातें है, इसमें कोई सचाई नहीं है।

श्री कंवर लाल गुप्त : क्या आपने इन्क्वायरी की है ?

(*Interruptions*) This is a very important matter. My question was: Has he made any inquiry? Let him say whether he has made any inquiry.

तब तो काल्पनिक कह सकते हैं, क्या बगैर इन्क्वायरी के कह रहे हैं ? उपाध्यक्ष महोदय, यह देश के लिये बहुत गंभीर मामला है और यह कोई आसान बात नहीं है, एक रिपोर्ट अखबार में आई है, आपने उसको इन्क्वायरी करने के बाद कहा है तो ठीक है, और बगैर इन्क्वायरी के कहा है तो यह बता दीजिये।

मैं जानना चाहता हूं कि यह रिपोर्ट जो पैट्रियाट में आई है, क्या आपने इसकी इन्क्वायरी कराई है या नहीं ?

MR. DEPUTY SPEAKER: You just answer whether there has been an inquiry.

श्री धनिक लाल मंडल : यह जो पैट्रीयाट के बारे में बात कहते हैं, 19 जुलाई के बारे में जो हैलीकोप्टर की बात कहते हैं, तो यह कालिंग अटेंशन तो बैलून के सम्बन्ध में था, हैलीकोप्टर से संबंधित नहीं था। **(व्यवधान)**

श्री कंवर लाल गुप्त : बैलून के बारे में कहा, हैलीकोप्टर के बारे में नहीं कहा।

(*Interruptions*) This is much more serious. He said a helicopter is invited to cross this country. My point of order is: Can a helicopter come into this country, but balloon cannot? This is much more serious. The Minister should know it. If any foreign helicopter comes into India, you must know that this is a serious matter.

SHRI DHANIK LAL MANDAL: There is no truth in it.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: You have not made any inquiry.

श्री बी० पी० मण्डल : (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, इनाका क्लियर क्वेश्चन है कि उन्होंने इन्क्वायरी कराई है या नहीं ? हम जानना चाहता है, हम लोगों का समय ले लिया जाता है, हमें कैटेगरीकल जवाब मिलना चाहिये कि स्टेट गवर्नमेंट्स से इन्क्वायरी कराई है या नहीं ?

श्री कंवर लाल गुप्त : इस रिपोर्ट के बारे में बताइये।

श्री धनिक लाल मंडल : बैलून के सम्बन्ध में जो घटनाएं हैं, उनके सम्बन्ध में मैंने बताया कि गढ़वाल, रायगढ़, नान्देड़, बिलासपुर, मिदनापुर, सिंहभूम और कटक, जो माननीय सदस्य ने कहा है, इन सभी के बारे में रिपोर्ट मंगाई गई है और उसके आधार पर मैं कह रहा हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is very clear now that the Calling Attention Notice related to balloons. So, evidently he has not made any specific inquiry. It looks like that, but I am not sure. (*Interruptions*).

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Let him say, he is not sure. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please hear me. It looks as if there has been no specific inquiry regarding the helicopter. So he has no notice about it. Evidently, he has not made any inquiry. That is the question. I think

[Mr. Deputy-Speaker]

Maybe because the Members are exercised, you please make an inquiry about the helicoper and give information to the Members after a few days.

14.25 hrs.

COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

TENTH REPORT

कुमारी मणिबेन पटेल वल्लभभाई पटेल : (मेहसाना): मैं अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति का दसवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करती हूं ।

COCONUT DEVELOPMENT BOARD BILL*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now the Minister, Mr. Barnala.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): There is a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Ravi has given it earlier.

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): I am raising an objection to it.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Wait; that will come later. Now Mr. Chandrappan.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: My point of order is under rule 67. It says:

> "When a Bill is pending before the House, notice of an identical Bill, whether received before or after the introduction of the pending Bill, shall be removed from or not entered in, the list of pending notices, as the case may be, unless the Speaker otherwise directs."

Here, my point is that not only is there a non-official bill given by me, which is very comprehensive, dealing with the problems of the coconut plantations, and the economy of coconut in the coconut-growing States; there are also very practical suggestions made, as to how finances should be raised for the improvement and development of the coconut industry. But here, the Bill which the Minister is trying to introduce is written in such a fashion that the interests of the coconut-growing States are hardly taken into account. (*Interruptions*). Mostly members of the bureaucracy will sit in the Board.

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is your point of order?

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: My point of order is, therefore, that the Board which is visualized, does not take into account the interests of the coconut cultivators. There is hardly any representation for Kerala which produce 80 per cent (*Interruptions*) of coconut. 90 per cent of the milling copra is produced in Kerala. The Minister is introducing 2 Bills which hardly take into account the interests of Kerala, and the interests of the small cultivators. This Bill should not be allowed to be introduced in this House, when there is a comprehensive Bill from me.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have understood your point of order; but, unfortunately, in what you have said, you yourself have made it amply clear that the two bills are not identical; and, therefore, the point of order does not stand. Now, Mr. Barnala.

SHRI VAYALAR RAVI: My objection is this.

MR. DEPUTY-SPEAKER: It will come later.

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the development under the control of the Union of the coconut industry and for matters connected therewith.

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 25-7-78.